सोमवार
07 सितम्बर 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 226
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

शुद्धिकरण मामले पर कांग्रेस ने किया सीएम आवास कूच

हमारे संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के हल्द्वानी दौरे के दौरान कथित अपमान के विरोध में आज देहरादून में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने मुख्यमंत्री आवास घेराव करने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री आवास घेरने से पहले देहरादून के परेड ग्राउंड में अलग-अलग जिलों से कांग्रेसी नेताओं और कार्यकर्ताओं पहुंचे। यहां कांग्रेस के बड़े नेताओं की ओर से जनसभा को संबोधित किया गया।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि हल्द्वानी में खड़गे के साथ जिस तरह का व्यवहार किया गया वह लोकतांत्रिक परंपराओं और विपक्ष के सम्मान के खिलाफ कांग्रेस पार्टी के मुख्यमंत्री आवास घेराव कार्यक्रम को देखते हुए पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। इस प्रदर्शन के चलते देहरादून के विभिन्न इलाकों में यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई है।

इधर परेड ग्राउंड में कांग्रेस पार्टी की प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, कांग्रेस पार्टी के चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरक सिंह रावत, चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह समेत विपक्ष के विधायकों की ओर से

कार्यकर्ताओं को संबोधित किया गया। उसके बाद कांग्रेस की तरफ से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च पर निकले। जो दिलाराम चौक होते हुए हाथी बड़कला पहुंचे जहां पुलिस ने उन्हे बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। जिसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पुलिस के बीच तीखी नोक झोंक हुई और उन्होने बैरिकेडिंग तोड़ने का प्रयास किया। काफी देर धक्का मुक्की के बाद पुलिस ने उन्हे गिरफ्तार कर लिया।

शुद्धिकरण मामले की होगी निष्पक्ष जांच

◆सुरक्षित रखेंगे इलेक्ट्रानिक साक्ष्य, हाईकोर्ट ने निस्तारित की याचिका

कार्यालय संवाददाता

देहरादून/नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट में हल्द्वानी के रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा के बाद सभा स्थल का शुद्धिकरण के चर्चित मामले में आज सुनवाई हुई। मामले में सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि मामले में 2 एफआईआर दर्ज हुई हैं। इनमें एक हल्द्वानी में और दूसरी मीडिया में छपी खबर के आधार पर जीरो एफआईआर बेंगलुरु में दर्ज हुई है।

कोर्ट को बताया गया कि बेंगलुरू में दर्ज हुई एफआईआर जांच के लिए हल्द्वानी में ट्रांसफर की जानी है। सरकार ने कोर्ट को आश्वस्त किया है कि पुलिस मामले में निष्पक्ष जांच करेगी। सरकार ने सीसीटीवी फुटेज और इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों को भी सुरक्षित रखने की बात कही है। राज्य के महाधिवक्ता के आश्वासन

◆अदालत ने महाधिवक्ता के सरकारी आश्वासन को रिकार्ड पर लिया
◆मामले की पुलिस निष्पक्ष जांच करेगी, सबूतों की सुरक्षा भी करेगी

और मामले की सुनवाई के बाद वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह की खंडपीठ ने याचिका को निस्तारित कर दिया है।

गौरतलब है कि देहरादून निवासी सामाजिक कार्यकर्ता बैजनाथ की ओर से हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में कहा गया है कि सभा के उपरांत सार्वजनिक रूप से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गंगाजल छिड़ककर शुद्धिकरण किए जाने से समाज में वैमनस्यता फैलने की आशंका बढ़ गई है।

घटनाक्रम को लेकर विभिन्न पक्षों की ओर से अलग-अलग स्पष्टीकरण और धार्मिक बयानबाजी सामने आई थी, जिसके बाद कांग्रेस पार्टी ने भी इस मुद्दे पर राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा था। याचिका में कहा गया है कि हल्द्वानी में शुद्धिकरण करने वालों की एफआईआर तो दर्ज कर ली गई, लेकिन कांग्रेसियों की एफआईआर दर्ज नहीं की गई।

याचिकाकर्ता ने अदालत से मांग की थी कि इस पूरे घटनाक्रम से जुड़े सभी इलेक्ट्रॉनिक और दस्तावेजी साक्ष्यों, जैसे कि वीडियो रिकार्डिंग और क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज को तत्काल प्रभाव से संरक्षित एवं सुरक्षित रखने के निर्देश जारी किए जाएं। इसके साथ ही याचिका में प्रदेश सरकार को इस मामले का संज्ञान लेते हुए प्रभावी और निष्पक्ष कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के आदेश देने का भी अनुरोध किया गया था। याचिकाकर्ता का कहना था कि सूचना के अधिकार के तहत भी इस घटना से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां मांगी गई हैं, ताकि सच्चाई सामने आ सके। दोनों पक्षों को सुनने के बाद नैनीताल हाईकोर्ट ने याचिका निस्तारित कर दी।

दून वैली मेल

संपादकीय

शिक्षा व्यवस्था का आईना

उत्तराखंड में शिक्षा को लेकर उठ रही आवाजों को अलग-अलग घटनाएं मानकर नजरअंदाज करना आसान है। कहीं बच्चे शिक्षक मांग रहे हैं, कहीं विश्वविद्यालय के विद्यार्थी समय पर परीक्षा परिणाम जारी करने की गुहार लगा रहे हैं, कहीं दिव्यांग विद्यार्थी छात्रवृत्ति, ब्रेल शिक्षक और छात्रावास जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए सड़क पर उतरने को मजबूर हैं और कहीं ग्रामीण अधूरे पड़े नवोदय विद्यालय को पूरा कराने के लिए धरने पर बैठे हैं। लेकिन इन सभी घटनाओं को एक साथ रखकर देखें तो तस्वीर कहीं अधिक गंभीर दिखाई देती है। यह सिर्फ शिक्षा संस्थानों की समस्याओं का मामला नहीं है। यह उस व्यवस्था का संकट है, जिसमें विद्यार्थी को अपनी बुनियादी जरूरत के लिए भी आंदोलन करना पड़ रहा है। उत्तराखंड ने शिक्षा को लेकर बड़े सपने देखे हैं। पहाड़ के दूरस्थ गांवों तक शिक्षा पहुंचाने से लेकर आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के दावे लगातार होते रहे हैं। स्कूलों को स्मार्ट बनाने, डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने, नई शिक्षा नीति लागू करने और उच्च शिक्षा को बेहतर करने की घोषणाएं भी कम नहीं हुईं। फिर सवाल यह है कि जब घोषणाओं की इतनी भरमार है तो कक्षाओं में शिक्षक क्यों नहीं हैं? परीक्षा देने के बाद विद्यार्थियों को अपने परिणाम के लिए क्यों भटकना पड़ता है? जिन बच्चों को सामान्य विद्यार्थियों से अधिक संस्थागत सहयोग की आवश्यकता है, उन्हें अपनी सुविधाओं के लिए आंदोलन क्यों करना पड़ता है? कहीं न कहीं हमारी शिक्षा नीति और उसके क्रियान्वयन के बीच एक गहरी खाई बन गई है। शिक्षक का अभाव शिक्षा व्यवस्था की सबसे बुनियादी विफलता है। भवन हो सकता है, फर्नीचर हो सकता है, कंप्यूटर और स्मार्ट बोर्ड भी हो सकते हैं, लेकिन शिक्षक के बिना विद्यालय आखिर विद्यालय कैसे बनेगा? पहाड़ में यह समस्या और गंभीर है। दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यालयों में शिक्षकों की कमी का सीधा असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ता है। यही स्थिति आगे चलकर सरकारी स्कूलों से अभिभावकों का भरोसा कम करती है और निजी विद्यालयों की ओर पलायन बढ़ाती है। परीक्षा परिणाम में देरी को भी महज प्रशासनिक लापरवाही मानना गलत होगा। विद्यार्थी के लिए परीक्षा परिणाम उसके जीवन की अगली सीढ़ी है। समय पर परिणाम नहीं आया तो प्रवेश छूट सकता है, प्रतियोगी परीक्षा का अवसर प्रभावित हो सकता है और उच्च शिक्षा की पूरी योजना बिगड़ सकती है, जिस व्यवस्था को विद्यार्थी के भविष्य का रास्ता आसान बनाना चाहिए, वही अगर उसके रास्ते में बाधा बन जाए तो उससे बड़ा विडंबनापूर्ण कुछ नहीं हो सकता। दिव्यांग विद्यार्थियों की स्थिति तो व्यवस्था के लिए और बड़ा आईना है। ब्रेल शिक्षक, छात्रावास, छात्रवृत्ति और सहायक सुविधाओं के लिए उन्हें आंदोलन करना पड़े, यह सवाल केवल किसी एक विभाग से नहीं पूछा जाना चाहिए। यह हमारी समावेशी शिक्षा की पूरी अवधारणा पर सवाल है। समानता का अर्थ सभी को एक जैसी सुविधा देना नहीं, बल्कि जरूरत के अनुसार वह सहयोग देना है जिससे हर विद्यार्थी समान अवसर तक पहुंच सके। इसी तरह किसी गांव में वर्षों से अधूरा पड़ा विद्यालय सिर्फ एक अधूरी इमारत नहीं है। वह उस गांव के बच्चों की उम्मीदों की अधूरी कहानी है। पहाड़ में एक विद्यालय का मतलब केवल पढ़ाई नहीं होता। विद्यालय गांव के सामाजिक जीवन का केंद्र होता है। वह पलायन के खिलाफ एक उम्मीद होता है। जब विद्यालय नहीं बनता या शिक्षक नहीं पहुंचते तो उसके साथ धीरे-धीरे गांव का भरोसा भी कमजोर होता है। इसलिए उत्तराखंड को अब शिक्षा के मूल्यांकन का पैमाना बदलना होगा। केवल यह बताने से काम नहीं चलेगा कि कितने विद्यालय बनाए गए, कितने स्मार्ट क्लास स्थापित हुईं या शिक्षा के लिए कितना बजट खर्च हुआ। असली सवाल होना चाहिए। कक्षा में शिक्षक है या नहीं? विद्यार्थी को समय पर किताब मिली या नहीं? परीक्षा परिणाम समय पर आया या नहीं? दिव्यांग विद्यार्थी को जरूरी सुविधा मिली या नहीं? पहाड़ के बच्चे को अपने गांव में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है या नहीं? यह भी देखना होगा कि शिक्षा व्यवस्था में शिकायतों का समाधान आंदोलन के बाद ही क्यों होता है। लोकतंत्र में आंदोलन अधिकार है, लेकिन किसी बच्चे को शिक्षक पाने के लिए, किसी विद्यार्थी को अपना परिणाम पाने के लिए या किसी दिव्यांग छात्र को अपनी मूलभूत सुविधा पाने के लिए आंदोलन करना पड़े तो यह व्यवस्था के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। उत्तराखंड की राजनीति में शिक्षा अक्सर भाषणों का विषय बनती है। चुनाव आते हैं तो स्कूल, शिक्षक, विश्वविद्यालय और युवाओं के भविष्य की बातें होती हैं। लेकिन चुनाव बीतने के बाद वही मुद्दे फाइलों में लौट जाते हैं। अब इस रवैये को बदलने का समय है। क्योंकि शिक्षा कोई ऐसी सड़क नहीं है, जिसे अधूरा छोड़कर अगले बजट में पूरा किया जा सके। विद्यार्थी का एक साल लौटकर नहीं आता। आज उत्तराखंड के अलग-अलग हिस्सों से उठ रही छात्र और अभिभावकों की आवाजों को सरकार को चेतावनी की तरह लेना चाहिए। यह आवाजें किसी एक दल के खिलाफ नहीं हैं। यह उस व्यवस्था से सवाल कर रही हैं जो शिक्षा को प्राथमिकता तो बताती है, लेकिन उसकी बुनियादी जरूरतों को समय पर पूरा नहीं कर पाती। शिक्षा व्यवस्था की सबसे बड़ी परीक्षा किसी मंत्री के भाषण में नहीं, कक्षा के भीतर बैठे उस बच्चे के चेहरे पर होती है जो शिक्षक का इंतजार कर रहा है और अगर उस बच्चे की आवाज सड़क तक पहुंच रही है तो समस्या बच्चे में नहीं, व्यवस्था की खामोशी में है। उत्तराखंड को अब यह तय करना होगा कि वह शिक्षा को केवल योजनाओं, घोषणाओं और आंकड़ों में देखेगा या सचमुच बच्चों के भविष्य के सवाल के रूप में। क्योंकि जिस प्रदेश में विद्यार्थी पढ़ाई के लिए आंदोलन करने लगें, वहां सबसे पहले आंदोलनकारी विद्यार्थियों को नहीं, शिक्षा व्यवस्था को कटघरे में खड़ा किया जाना चाहिए।

गाँव-गाँव में शहीद, शहर में अटका 'धाम'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की पहचान अगर किसी एक शब्द से सबसे गहराई से जुड़ती है तो वह है कि सैन्य परंपरा, जिस प्रदेश के हर गांव से सैनिक निकलते हैं और जिसके हजारों परिवारों का रिश्ता सेना से जुड़ा है, उसी प्रदेश में शहीदों की स्मृति में बनने वाला सैन्य धाम पांच साल से निर्माण, घोषणाओं और लोकार्पण की तारीखों के बीच उलझा हुआ है। अब विधानसभा चुनाव की आहट के बीच सैन्य धाम एक बार फिर राजनीतिक चर्चा के केंद्र में है। यही इस पूरी कहानी का सबसे बड़ा सवाल है, जिस परियोजना को शहीदों के सम्मान का प्रतीक बताया गया, उसे समय पर पूरा करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति पांच साल तक क्यों नहीं दिखाई दी?

सैन्य धाम का शिलान्यास वर्ष 2021 में हुआ। उस समय परियोजना को लेकर बड़े दावे किए गए। इसे उत्तराखंड के सैनिकों और शहीद परिवारों के सम्मान से जोड़ा गया और जल्द पूरा करने का लक्ष्य सामने रखा गया। बाद में निर्माण स्थल पर दूसरा शिलान्यास भी हुआ। 2023 तक परियोजना पूरी करने की समयसीमा बताई गई। लेकिन समयसीमा गुजर गई और धाम तैयार नहीं हुआ।

इसके बाद हर साल नई उम्मीद और नई तारीख सामने आती रही। कभी निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए गए, कभी अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से काम पूरा करने को कहा गया। निरीक्षण हुए, समीक्षा बैठकें हुईं और जल्द लोकार्पण के दावे किए गए। मगर सैन्य धाम का इंतजार खत्म नहीं हुआ। सवाल यह है कि पांच साल में ऐसा क्या नहीं हो सका, जो एक महत्वपूर्ण और राजनीतिक रूप से प्राथमिकता वाली परियोजना में होना चाहिए था?

◆सैन्य धाम की नींव से चुनावी चर्चा तक पहुंचा सफर
◆तय समय बीता, तारीखें बदलीं और बढ़ती गई लागत
◆चुनाव से पहले सैन्य धाम फिर सियासत के केंद्र में

सैन्य धाम की कहानी सिर्फ देरी तक सीमित नहीं है। परियोजना की लागत में वृद्धि ने भी सवाल खड़े किए। शुरुआती अनुमान के मुकाबले लागत बढ़ने की खबरें सामने आईं। यानी परियोजना जितनी लंबी खिंचती गई, उसके साथ सरकारी खजाने पर बोझ भी बढ़ता गया। यहां विपक्ष को सरकार पर हमला करने का मौका मिला। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सैन्य धाम को शहीदों के सम्मान के बजाय राजनीतिक परियोजना बना दिया गया। भाजपा स्वाभाविक रूप से इसे सैनिक सम्मान और राष्ट्रवाद से जोड़कर देखती रही। यही वह बिंदु है जहां शहीदों की स्मृति और चुनावी राजनीति एक-दूसरे के सामने खड़ी दिखाई देती हैं।

2027 विधानसभा चुनाव अब बहुत दूर नहीं हैं। उत्तराखंड में सैनिक परिवार और पूर्व सैनिक बड़ा सामाजिक वर्ग हैं। सैन्य धाम इस वर्ग की भावनाओं से सीधे जुड़ा हुआ है। इसलिए इसका राजनीतिक महत्व केवल एक निर्माण परियोजना तक सीमित नहीं है। भाजपा के लिए सैन्य धाम राष्ट्रवाद, सैनिक सम्मान और शहीदों की विरासत का प्रतीक है। वहीं कांग्रेस के लिए यही परियोजना सरकार की कार्यशैली और घोषणाओं की हकीकत पर सवाल उठाने का हथियार बन सकती है। यानी चुनावी मौसम में सैन्य धाम का मुद्दा जितना भावनात्मक है, उतना ही राजनीतिक भी।

सैन्य धाम के लिए प्रदेश के शहीद सैनिकों के घरों से मिट्टी जुटाने का अभियान चलाया गया था। उद्देश्य था कि शहीदों की स्मृति को इस धाम से जोड़ा जाए। यह भावनात्मक पहल थी और इसका संदेश भी स्पष्ट था। प्रदेश अपने बलिदानियों को नहीं भूलेगा। लेकिन अब पांच साल बाद यही सवाल उठ रहा है कि जब शहीदों के घरों से मिट्टी जुटाने में इतनी तत्परता दिखाई गई, तो उस मिट्टी से बनने वाले धाम को आकार देने में इतनी सुस्ती क्यों रही? शहीदों की स्मृति इंतजार नहीं मांगती। राजनीति मांगती हैकृसमय, मंच और चुनाव।

सैन्य धाम का निर्माण यदि निर्धारित

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

'शौर्य' गाथा पर सियासी 'ड्रामा'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। शहीदों की स्मृति और उत्तराखंड की सैन्य परंपरा को समर्पित देहरादून का सैन्य धाम पांच साल से सत्ता के दावों और तारीखों के बीच झूल रहा है। वर्ष 2021 में जिस परियोजना को दो साल के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, वह 2026 में भी राजनीतिक बहस के केंद्र में है। अब विधानसभा चुनाव की आहट के बीच सैन्य धाम फिर चर्चा में है तो सवाल भी उतना ही सीधा है। अगर यह शहीदों को श्रद्धांजलि का प्रकल्प था तो इसे समय पर पूरा क्यों नहीं किया गया?

सैन्य धाम का शिलान्यास 2021 में किया गया था। बाद में गुनियालगांव में परियोजना को आगे बढ़ाया गया और दिसंबर 2021 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वहां दूसरा शिलान्यास किया। उस समय इसे करीब दो वर्ष में पूरा करने की बात कही गई थी। अगस्त 2022 में राज्यपाल के निरीक्षण के दौरान भी 2023 में सैन्य धाम पूरा करने का लक्ष्य बताया गया था।

लेकिन लक्ष्य की तारीख आती गई और निर्माण पूरा नहीं हुआ। सितंबर 2023 में सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने खुद निर्माण की धीमी गति पर नाराजगी जताई और अधिकारियों को उसी वर्ष दिसंबर तक काम पूरा करने के निर्देश दिए। जनवरी 2024 में भी निर्माण करीब 65 प्रतिशत पूरा होने की जानकारी सामने आई और काम दिन-रात चलाने के निर्देश दिए गए। इसके बाद 2024 में परियोजना की लागत को लेकर भी सवाल उठे। आरटीआई आधारित रिपोर्ट के अनुसार परियोजना की लागत 2022 में करीब 48 करोड़ रुपये से बढ़कर 99 करोड़ रुपये तक पहुंचने की बात सामने आई। यानी देरी के साथ परियोजना की लागत में भी बड़ा उछाल आया।

सरकार की ओर से लगातार यह दावा किया जाता रहा कि सैन्य धाम जल्द प्रदेश को समर्पित किया जाएगा। अगस्त और अक्टूबर 2024 में निर्माण को तय समय में पूरा करने के निर्देश दिए गए। दिसंबर 2024 में भी अंतिम चरण के काम और फिनिशिंग का हवाला देते हुए इसे जल्द जनता को समर्पित करने की बात कही

◆पांच साल तक क्यों अटका सैन्य धाम, 2021 में शिलान्यास, 2023 में पूरा होने का था लक्ष्य
◆तारीखें बढ़ती गईं, लागत भी बढ़ी, अब चुनावी मौसम में फिर सुर्खियों में आ गई परियोजना
◆सैन्य परंपरा को समर्पित सैन्य धाम पांच साल से सत्ता के दावों और तारीखों के बीच झूल रहा

गई। यहीं से सैन्य धाम की कहानी सिर्फ निर्माण परियोजना नहीं, बल्कि राजनीतिक सवाल भी बन जाती है।

2025 में भी इसके लोकार्पण को लेकर उम्मीदें जताई गईं। अक्टूबर 2025 में निरीक्षण के दौरान नौ नवंबर को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री के संभावित दौरे के दौरान लोकार्पण का प्रस्ताव सामने आया था। लेकिन अब 2026 में चुनावी माहौल के बीच कांग्रेस ने फिर सरकार को घेरा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने पांच वर्ष की देरी, लागत बढ़ने और चुनावी लाभ के लिए परियोजना को इस्तेमाल किए जाने पर सवाल उठाए हैं।

सैन्य धाम उत्तराखंड के लिए महज एक भवन नहीं है। प्रदेश के हजारों परिवारों की सैन्य परंपरा, शहीदों की स्मृति और युवाओं के लिए प्रेरणा से जुड़ा यह प्रकल्प है। शहीद सम्मान यात्रा के माध्यम से शहीद परिवारों के आंगन की मिट्टी भी यहां लाई गई है। ऐसे में पांच साल की देरी स्वाभाविक रूप से सवाल खड़े करती है कि आखिर परियोजना की योजना, निर्माण और निगरानी में ऐसी कौन-सी अड़चनें थीं जिनके कारण निर्धारित समयसीमा बार-बार आगे बढ़ती रही।

2027 विधानसभा चुनाव अब दूर नहीं हैं। ऐसे में सैन्य धाम का राजनीतिक महत्व भी बढ़ना स्वाभाविक है। भाजपा इसे सैनिक सम्मान और उत्तराखंड की सैन्य पहचान से जोड़ती रही है, जबकि कांग्रेस अब इसी परियोजना की देरी को सरकार के खिलाफ राजनीतिक हथियार बना रही है। यानी आने वाले महीनों में सैन्य धाम सिर्फ शहीदों की स्मृति का केंद्र नहीं रहेगा। यह सत्ता बनाम विपक्ष के चुनावी नैरेटिव का भी बड़ा मैदान बन सकता है।

असल सवाल यह नहीं कि सैन्य धाम किसके खाते में जाएगा। असली सवाल यह है कि जिस धाम की नींव शहीदों की स्मृति में रखी गई थी, उसे समय पर पूरा करने की राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति पांच साल तक कहां थी? और अब जब चुनाव सामने हैं, तो सवाल और तीखा हो गया है। क्या सैन्य धाम की रफ्तार सचमुच शहीदों के सम्मान से बढ़ी है या चुनाव की घड़ी ने इसकी गति बढ़ाई है?

स्वास्थ्य मंत्री के आश्वासन पर डिप्लोमा फार्मासिस्टों का आंदोलन 15 दिन के लिए स्थगित

अल्मोड़ा(आरएनएस)। डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन उत्तराखंड ने स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल की ओर से मांगों पर सकारात्मक आश्वासन मिलने के बाद अपने आंदोलनात्मक कार्यक्रम को 15 दिनों के लिए स्थगित करने का निर्णय लिया है। संगठन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अवधि में मांगों पर ठोस प्रगति नहीं होने की स्थिति में कोर कमेटी की बैठक बुलाकर आगे की रणनीति तय की जाएगी। एसोसिएशन के आह्वान पर प्रदेशभर में फार्मासिस्ट अपनी विभिन्न मांगों को लेकर काला फीता बांधकर विरोध दर्ज करा रहे थे। गुरुवार को आयोजित चतुष्पक्षीय बैठक में स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल के साथ वित्त सचिव, स्वास्थ्य सचिव, अपर स्वास्थ्य सचिव, स्वास्थ्य महानिदेशक तथा संगठन की कोर कमेटी के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में संगठन की पांच प्रमुख मांगों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के दौरान स्वास्थ्य मंत्री की ओर से मांगों के समाधान के संबंध में सकारात्मक आश्वासन दिए जाने के बाद कोर कमेटी ने सर्वसम्मति से आंदोलन को फिलहाल 15 दिनों के लिए स्थगित करने का फैसला लिया। संगठन का कहना है कि यदि इस अवधि में अपेक्षित परिणाम नहीं मिले तो आंदोलन को लेकर आगे का निर्णय लिया जाएगा। अल्मोड़ा जिला इकाई के अध्यक्ष डी.के. जोशी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जे.पी.एस. मनराल, उपाध्यक्ष गोपाल सिंह, मंत्री रजनीश जोशी, संगठन मंत्री जगदीश चंद्र, संयुक्त मंत्री प्रेम प्रकाश, कोषाध्यक्ष कैलाश पपनै तथा संप्रेक्षक माया पाण्डेय ने संगठन की मांगों पर सरकार और शासन की सकारात्मक पहल का स्वागत करते हुए स्वास्थ्य मंत्री सहित संबंधित अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

20 दिन पहले जिन गड्ढों को भरकर सड़क को दुरुस्त किया, बारिश के बाद फिर जगह-जगह गड्ढे

हरिद्वार(आरएनएस)। बारिश थमने के बाद सप्तऋषि क्षेत्र में सर्विस लाइन की सड़क की बदहाल तस्वीर एक बार फिर सामने आ गई है। करीब 20 दिन पहले जिन गड्ढों को भरकर सड़क को दुरुस्त किया गया था वे बारिश के बाद फिर उभर आए हैं। कई स्थानों पर सड़क की ऊपरी परत उखड़ गई है और गहरे गड्ढे बन गए हैं। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवाजाही में परेशानी हो रही है। सप्तऋषि क्षेत्र की सर्विस लाइन पर जगह-जगह गड्ढे होने से दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता।ऐसे में वाहन चालक अचानक गड्ढों में गिरने से बचने के लिए वाहनों को इधर-उधर मोड़ते हैं। इससे दुर्घटना का खतरा भी बना हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार गड्ढों के कारण कई वाहनों के टायर और अन्य हिस्से खराब हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने जल्द से जल्द गड्ढों को भरने के साथ सड़क की गुणवत्ता सुधारने की मांग की है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि सभी विभागों को 15 अक्तूबर तक सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के निर्देश जारी किए गए है।

पिथौरागढ़ में बड़ी संख्या में स्कूल बंद होने पर यूकेडी ने जताई चिंता

पिथौरागढ़(आरएनएस)। उत्तराखंड क्रांति दल की ओर से शिक्षक दिवस से पूर्व गुरुजन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संवाद कार्यक्रम में उत्तराखंड की शिक्षा व्यवस्था, पढ़ाई के लिए हो रहे पलायन, भूमि की खरीद-फरोख्त, पुरानी पेंशन बहाली तथा वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर चर्चा हुई। नगर के एक होटल में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यूकेडी के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक काशी सिंह ऐरी ने कहा कि उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलन में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। राज्य गठन के बाद धरातल पर ठोस नीतियां नहीं बन पाने के कारण आज प्रदेश के कई क्षेत्र पलायन, व्यापार और रोजगार जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं।जनपद में 114 विद्यालयों के बंद होने को चिंता का विषय बताया। कहा कि एक ओर विद्यालय बंद किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर शराब की नई दुकानें और भट्ठियां खोलने की नीतियां बनाई जा रही हैं। इस दौरान जितेंद्र वल्दिया, प्रवीण रावल, अनिल कुमार, गिरधर सिंह बिष्ट, द्वारिका प्रसाद जोशी, पुष्कर दत्त जोशी, डॉ.अशोक पंत, कल्पना, डॉ.आशा जोशी, भूपेंद्र सिंह थापा, लक्ष्मण सिंह खाती, बलराज सिंह रावत, महिमन जोशी व छलिया दल का प्रतिनिधित्व करने वाले भीम राम कोहली को शॉल ओढाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कार्यकारी जिलाध्यक्ष जनार्दन उप्रेती, भास्कर आनंद जोशी, कैप्टन रिटायर दीवान सिंह वल्दिया ने किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर पुनेडा, महानगर अध्यक्ष राम सिंह, जगत सिंह मेहता, रमेश सिंह बिष्ट, गिरीश जोशी, उषा बिष्ट सहित अन्य यूकेडी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

दयारी भूस्खलन प्रभावितों को मिली राहत

अल्मोड़ा(आरएनएस)। भैंसियाछाना विकासखंड के दयारी गांव में हाल ही में हुई भारी बारिश के बाद हुए भूस्खलन से कई परिवारों का जनजीवन प्रभावित हो गया। पहाड़ी का बड़ा हिस्सा खिसकने से गांव में मलबा और बोल्डर आ गए, जिससे कई मकानों को नुकसान पहुंचा और प्रभावित परिवारों के सामने सुरक्षा व आजीविका का संकट खड़ा हो गया।

घटना के बाद जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राहत एवं पुनर्वास कार्य शुरू कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर उत्तराखंड क्रांति दल के नेता विनय किरौला ने प्रभावित परिवारों की स्थिति जिला प्रशासन के संज्ञान में लाते हुए तत्काल राहत और पुनर्वास की मांग की। इसके बाद जिला अधिकारी के निर्देश पर उपजिलाधिकारी, तहसीलदार और भू-वैज्ञानिक की टीम रात में ही दयारी गांव पहुंची और प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

प्रशासन ने प्रभावित परिवारों को तत्काल 6,500 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। साथ ही खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने और प्रभावित लोगों के सुरक्षित पुनर्वास की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से आपदा प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत मिली। दयारी गांव सहित भैंसियाछाना क्षेत्र के ग्रामीणों ने संकट की घड़ी में उनकी समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने और राहत दिलाने में सहयोग के लिए विनय किरौला का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों का कहना था कि समय पर मामला उठाए जाने के कारण प्रशासन ने संवेदनशीलता और तत्परता के साथ राहत कार्य शुरू किया। विनय किरौला ने कहा कि आपदा के समय प्रभावित लोगों के साथ खड़ा होना सामाजिक दायित्व है। उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा त्वरित राहत, खाद्य सामग्री और पुनर्वास की व्यवस्था किए जाने की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य में भी किसी भी आपदा प्रभावित परिवार की आवाज प्रशासन तक पहुंचाने और उन्हें हरसंभव सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा। दयारी गांव के दौरे के दौरान उत्तराखंड क्रांति दल के नेता विनय किरौला, युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रवि नेगी, नगर अध्यक्ष वंश कनवाल, उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, भू-वैज्ञानिक तथा अन्य स्थानीय लोग मौजूद रहे।

बीईओ कमलेश्वरी मेहता राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

बागेश्वर(आरएनएस)। शैक्षिक प्रशासन में नवाचार और उत्कृष्ट कार्यप्रणाली के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (एनआईईपीए), नई दिल्ली की ओर से आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में गरुड़ की खंड शिक्षा अधिकारी एवं डायट बागेश्वर की प्राचार्या कमलेश्वरी मेहता को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली के अकादमिक भवन में दो और तीन सितंबर को आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक एवं पद्मश्री प्रो. जेएस राजपूत ने उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। यह पुरस्कार विकासखंड और जिले में शैक्षिक प्रशासन में सुधार के लिए किए गए सराहनीय नवाचारों के लिए दिया गया। सम्मेलन में देशभर के 84 जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।इसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर शिक्षा प्रशासन में किए जा रहे नवाचारों को साझा करना और प्रोत्साहित करना था। कमलेश्वरी मेहता के प्रयासों से विद्यालयों में बुनियादी ढांचे, शिक्षक क्षमता, तकनीकी उपयोग और सामुदायिक सहभागिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं। उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर शिक्षकों और विद्यार्थियों में खुशी है। मेहता को पुरस्कार मिलने पर जिलाधिकारी अपूर्वा पांडे, उपजिलाधिकारी वैभव कांडपाल, प्रियंका रानी, तहसीलदार निशा रानी, सीईओ विनय कुमार आर्य समेत राजकीय, प्राथमिक और राजूहा शिक्षक संघ के पदाधिकारियों तथा जिले व विकासखंड के शिक्षकों ने खुशी जताई है।

लैंड बैंक तैयार करने की कवायद तेज, डीएम ने दिए भूमि मैपिंग के निर्देश

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। जनपद में लैंड बैंक तैयार किए जाने को लेकर जिलाधिकारी विशाल मिश्रा की अध्यक्षता में वन विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक हुई। बैठक में जनपद में उपलब्ध विभिन्न श्रेणी की भूमि का चिह्नीकरण, मैपिंग एवं डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने वन विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को अपने-अपने विभाग के अंतर्गत आने वाली भूमि का सर्वेक्षण एवं मैपिंग करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने कहा कि लैंड बैंक तैयार करने का उद्देश्य उपलब्ध भूमि की स्पष्ट एवं व्यवस्थित जानकारी तैयार करना है जिससे भविष्य में विभिन्न विकासात्मक एवं जनहित से जुड़ी योजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धता का आकलन आसानी से किया जा सके। उन्होंने दोनों विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने तथा जीआईएस एक्सपर्ट की सहायता से जनपद में डिग्रेडेड भूमि का भी चिह्नीकरण एवं मैपिंग करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान डीएफओ विनीत कुमार, उपजिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी, उपजिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल रावत, उपजिलाधिकारी जखोली भगत सिंह फोनिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

फुलवाड़ी-चीराबगड़ सड़क की स्वीकृति को सांसद ने लिखा पत्र

बागेश्वर(आरएनएस)। क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित फुलवाड़ी-चीराबगड़ मोटर मार्ग की स्वीकृति का मामला अब सांसद स्तर तक पहुंच गया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा ने सड़क की सैद्धांतिक और वित्तीय स्वीकृति के लिए प्रमुख सचिव, ग्रामीण विकास एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, उत्तराखंड शासन को पत्र लिखा है। सांसद ने पत्र में बताया कि कपकोट विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री घोषणा के तहत प्रस्तावित कपकोट-कर्मी मोटर मार्ग के किमी सात से फुलवाड़ी-चीराबगड़ तक करीब आठ किमी सड़क का वन संबंधी प्रकरण नोडल अधिकारी, देहरादून के स्तर पर लंबित है। वन संबंधी पत्रावली लोक निर्माण विभाग की ओर से भेजी गई है और सड़क को वित्तीय स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज-चार में प्रस्तावित किया गया है।उन्होंने कहा कि लंबे समय से सड़क की मांग पूरी नहीं होने के कारण क्षेत्रवासी करीब दो सप्ताह से आंदोलन कर रहे हैं। जनहित को देखते हुए लोक निर्माण विभाग और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के बीच समन्वय कर सड़क को सैद्धांतिक एवं वित्तीय स्वीकृति देने के लिए त्वरित कार्रवाई करने और कृत कार्रवाई से अवगत कराने को कहा है।

सप्तऋषि तिराहे पर डमरू बजाकर किया प्रदर्शन

हरिद्वार(आरएनएस)। सप्तऋषि तिराहे पर जलभराव और सीवर चौक होने से परेशान स्थानीय व्यापारियों और लोगों ने पूर्व सभासद अशोक शर्मा के नेतृत्व में डमरू बजाकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने क्षेत्र की बदहाल व्यवस्था के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ नाराजगी जताई। अशोक शर्मा और सन्नी मल्होत्रा ने कहा कि सीवर लाइन डाले जाने के बाद से अधिकारी क्षेत्र की सुध नहीं ले रहे हैं। सड़क पहले से क्षतिग्रस्त है और सीवर चौक होने के कारण दूषित पानी सड़क पर बह रहा है। यात्री बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण रोजाना हजारों श्रद्धालु आश्रमों, मंदिरों और गंगा स्नान के लिए पहुंचते हैं।

उन्हें सीवर के दूषित पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 25 वर्षों से स्थानीय विधायक क्षेत्र की उपेक्षा कर रहे हैं। व्यापारियों ने जल्द समस्या का समाधान नहीं होने पर उग्र आंदोलन किया जाएगा। मनोज भाई और करण राणा ने कहा कि जलभराव के कारण सड़क भी क्षतिग्रस्त हो गई है। आए दिन लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं। स्थानीय पार्षद भी समस्या का समाधान नहीं करा रहे हैं। जलभराव और गंदगी के कारण व्यापार प्रभावित हो रहा है। सुनील शर्मा और अंकुश भाटिया ने कहा कि सीवर का दूषित पानी दुकानों में घुस रहा है। इससे ग्राहक दुकानों तक नहीं पहुंच रहे हैं और व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। कई दिनों से सड़क पर सीवर का पानी बह रहा है, लेकिन कोई सुध लेने वाला नहीं है। दुकानों का किराया देना भी मुश्किल हो गया है। प्रदर्शन में पार्षद सुनील कुमार, जितेंद्र सिंह, विकास कुमार, कर्तव्य ममगई, मोहन चंद्र, प्रिंस, अजय आदि मौजूद रहे।

जेन-ज़ी को क्यों हो रही है ज्यादा बाल झड़ने की समस्या?

बालों का झड़ना एक आम समस्या है, जो हर उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकती है। हालांकि, हाल के अध्ययन बताते हैं कि जनरेशन (जेन-ज़ी) यानी 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों में बालों का झड़ना तेजी से बढ़ रहा है। यह समस्या खासकर महिलाओं में अधिक देखी जा रही है। आइए जानते हैं कि क्यों बालों का झड़ना जेन-ज़ी के लोगों में अधिक देखा जा रहा है।

तनाव और मानसिक स्वास्थ्य: जेन-ज़ी के लोग अक्सर मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं का सामना कर रहे हैं। तनाव, चिंता और अवसाद जैसे मुद्दे उनके जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। इन समस्याओं का असर न केवल मानसिक, बल्कि शारीरिक सेहत पर भी पड़ता है। बालों का झड़ना भी इसका एक लक्षण हो सकता है। जब व्यक्ति मानसिक रूप से परेशान होता है तो उसका शरीर भी प्रभावित होता है, जिससे बाल तेजी से झड़ने लगते हैं।

सोशल मीडिया का प्रभाव: सोशल मीडिया ने जेन-ज़ी पर गहरा असर डाला है। वे अपने जीवन की हर छोटी-बड़ी घटना को सोशल मीडिया पर साझा करते हैं और दूसरों की तुलना करते हैं। इससे उन्हें आत्म-सम्मान की कमी और अवसाद जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं का असर उनके बालों पर पड़ता है, जिससे बाल तेजी से झड़ने लगते हैं। साथ ही सोशल मीडिया पर सुझाए उत्पाद चुनना भी एक कारण है।

गलत खान-पान और पोषण की कमी: आजकल के लोग फास्ट फूड और जंक फूड का सेवन ज्यादा करते हैं, जो पोषण से भरपूर नहीं होते और शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। सही पोषण न मिलने से बाल कमजोर हो जाते हैं और झड़ने लगते हैं। सही खान-पान से बालों की सेहत बेहतर हो सकती है। इसके लिए हरी सब्जियां, फल, प्रोटीन युक्त आहार और पानी का सेवन बढ़ाना जरूरी है। साथ ही विटामिन और मिनरल की कमी को दूर करने पर ध्यान दें।

हेयर स्टाइलिंग उपकरणों का अत्यधिक उपयोग: हेयर स्टाइलिंग उपकरण, जैसे स्ट्रेटनर और कर्लर आदि का अत्यधिक उपयोग भी बालों के झड़ने का कारण बन सकता है। इन उपकरणों से बालों को सीधा या घुमा कर स्टाइल किया जाता है, लेकिन इनकी गर्मी से बाल कमजोर हो जाते हैं। इसलिए, इनका उपयोग कम से कम करें और प्राकृतिक तरीकों से हेयर स्टाइलिंग करें। इसके अलावा हेयर स्टाइलिंग के लिए प्राकृतिक उपायों का उपयोग करें, ताकि बाल स्वस्थ रहें और झड़ने की संभावना कम हो।

केमिकल युक्त हेयर उत्पाद का इस्तेमाल: बाजार में कई तरह के हेयर उत्पाद उपलब्ध हैं, जिनमें रासायनिक तत्व होते हैं, जो बालों को नुकसान पहुंचाते हैं। जेन-ज़ी के लोग अक्सर इन उत्पादों का इस्तेमाल करते समय इनकी गुणवत्ता या सामग्री पर ध्यान नहीं देते, जिससे उनके बाल कमजोर होकर झड़ने लगते हैं। इन कारणों से साफ है कि बालों का झड़ना जेन-ज़ी के लोगों में एक गंभीर समस्या बन चुकी है, जिससे निजात पाने के लिए उन्हें इन समस्याओं पर ध्यान देना होगा।

खांसी से छुटकारा पाना चाहते हैं? आज ही आजमाएं ये 5 घरेलू उपाय

खांसी एक आम समस्या है, जो किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकती है। यह समस्या कई कारणों से होती है, जैसे ठंड, धूल-मिट्टी और धूम्रपान आदि। खांसी होने पर गले में खुजली, खराश और बलगम जैसी समस्याएं होती हैं, जिससे आराम मिलना मुश्किल हो जाता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू उपाय बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप आसानी से खांसी से छुटकारा पा सकते हैं और स्वस्थ हो सकते हैं।

अदरक का रस पीएं : अदरक का रस खांसी के लिए एक असरदार घरेलू उपाय है। इसमें मौजूद खास गुण गले की सूजन को कम करने में मदद करते हैं। इसके लिए एक छोटे टुकड़े अदरक को कद्दूकस करके उसका रस निकालें और उसमें थोड़ा शहद मिलाकर पीएं। यह मिश्रण गले की खराश को भी दूर करता है और खांसी को कम करता है। अदरक का रस पीने से आपको ताजगी और आराम महसूस होगा।

तुलसी की चाय बनाकर पीएं : तुलसी की चाय खांसी के लिए एक अच्छा उपाय हो सकती है। तुलसी में मौजूद गुण आपके शरीर को मजबूत बनाते हैं और खांसी को दूर करते हैं। इसके लिए कुछ तुलसी की पत्तियों को पानी में उबालें और उसमें थोड़ा-सा गुड़ डालें, फिर इसे छानकर पीएं। यह चाय न केवल स्वादिष्ट होती है, बल्कि आपके गले को भी राहत देती है और खांसी को कम करने में मदद करती है।

शहद और नींबू का मिश्रण लें : शहद और नींबू का मिश्रण खांसी के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद विटामिन आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और शहद की मिठास गले को सुकून देती है। इसके लिए एक गिलास गर्म पानी में एक चम्मच शहद और आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर पीएं। यह मिश्रण खांसी को कम करने के साथ-साथ आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाता है और आपको जल्दी आराम मिलता है।

लहसुन की कली चबाएं: लहसुन की कली चबाना खांसी के लिए एक पुराना और असरदार तरीका है। लहसुन में मौजूद गुण संक्रमण को दूर करते हैं और खांसी को कम करते हैं। इसके लिए एक लहसुन की कली को चबाकर उसका रस निकालें या उसे थोड़ा कच्चा खा लें। इससे आपको जल्दी आराम मिलेगा और आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होगी। लहसुन का सेवन करने से गले की सूजन भी कम होती है।

नमक वाले गर्म पानी से गरारे करें : नमक वाले गर्म पानी से गरारे करना गले की सूजन कम करने का एक अच्छा तरीका है।

आपके जूते कैसे कर रहे हैं आपको बीमार, कहीं आपके पास भी तो ये वाले नहीं हैं?

आजकल मार्केट में तरह-तरह के डिजाइन, लुक, ब्रांड वाले जूते आ गए हैं। लोग ब्रांड और कीमत देखकर जूतों को खरीदते हैं। क्या आप जानते हैं कि जिन जूतों को आप इतनी पसंद से खरीदते हैं वे आपको बीमार भी बना सकते हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, जूतों की वजह से आर्थराइटिस, घुटने की दिक्कत, नॉकनिक, फ्लैटफिट और बोलैग जैसी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। हाल ही में हुए एक रिसर्च में बताया गया कि जूतों को कंफर्ट के अनुसार न खरीदने से 23 प्रतिशत युवा खिलाड़ी वक्त से पहले ही अनफिट हो जाते हैं। आइए जानते हैं क्या कहता है रिसर्च और कहीं आप भी तो इन जूतों को नहीं पहन रहे हैं।

क्या कहता है जूतों पर हुआ रिसर्च

जूतों को किस आधार पर चुनना चाहिए, इसे लेकर क्रेश्चन बेस सर्वे किया गया। जिसमें 15-25 साल तक के 1000-1500 खिलाडियों से कुछ सवाल पूछे गए। सर्वे में पाया गया कि बॉडी के बैलेंस और पैरों के आर्क के अनुसार, जूते न पहनने से पैरों में परेशानियां आने लगती हैं, जो आगे चलकर पैरों को सही विकास को भी रोक सकती है। ये दिक्कत अर्थराइटिस, घुटने की दिक्कत, नॉकनिक, फ्लैटफिट और बोलैग की भी हो सकती है। इसी वजह से 25त्न खिलाड़ी युवा होते ही अनफीट हो जाते हैं।

ये रिसर्च स्पोर्ट्स शूज पर की गई पहली रिसर्च है। जिसमें बताया गया कि पैरेंट्स में बच्चों को बड़ा जूता दिलाने की आदत गलत है, क्योंकि बड़े जूते पहनने से बच्चों के पैरों का विकास काफी हद तक प्रभावित होता है, जो आगे चलकर कई तरह की परेशानियों का कारण बन सकता है। रिसर्च में बताया गया कि विदेशों में जूते बेचने वाली कंपनियां कस्टमर्स के पैरों की बनावट के हिसाब से जूते तैयार करती हैं। ये महंगा तो होता है लिकन पैरों की सेहत के लिए सही होता है, जबकि भारत में ऐसा नहीं होता है।

किस तरह के जूते खरीदने चाहिए

इस रिसर्च में बताया गया कि खिलाड़ी हो या आम आदमी जूते सस्ते, सुंदर और टिकाऊ देखकर खरीदते हैं। जो कि गलत है, अगर आप भी इस तरह के जूते पहन रहे हैं तो तुरंत अपनी आदत बदल लें, क्योंकि जूते हमेशा कंफर्ट को देखकर ही खरीदने चाहिए। शरीर के हिसाब से भी जूतों का चयन करना चाहिए। जूते कितनी देर तक पहन सकते हैं, इसका भी ख्याल रखना चाहिए। इसलिए जूते वहीं खरीदने चाहिए जो पैरों के लिए आरामदायक हों।

त्रिफला चूर्ण का सेवन कर बचेंगे डायबिटीज से

डायबिटीज से बचने के लिए त्रिफ्ला चूर्ण का सेवन करने की सलाह एक्सपर्ट दे रहे हैं। त्रिफ्ला चूर्ण आंवला, बहेड़ा और हरड़ से मिलकर तैयार होता है। इन तीनों से तैयार होने के कारण यह चूर्ण औषधीय गुणों से और भी भरपूर हो जाता है जिसका सेवन आपको कई बीमारियों से बचाए रख सकता है जिसके बारे में नीचे आपको पूरी जानकारी दी जा रही है। बता दें कि भारत में आज भी ऐसे कई सारे लोग हैं जो अंग्रेजी दवाओं का सेवन ना करके कई सारे फ्ल और जड़ी बूटियों से बनने वाली औषधि का प्रयोग अपने स्वास्थ्य को दुरुस्त रखने के लिए करते हैं। इन औषधियों में ऐसे गुणकारी असर भी होते हैं जो स्वास्थ्य समस्या से बचाए रखने में सक्रिय रूप से अपनी भूमिका अदा करते हैं।

शब्द सामर्थ्य -061

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हृदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

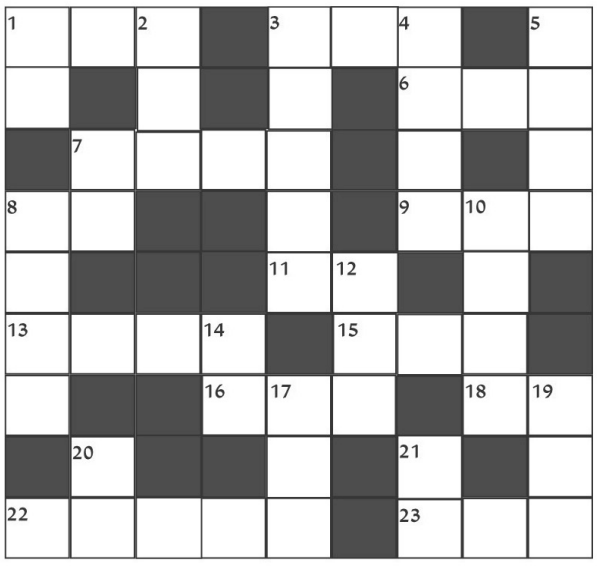

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 60 का हल

चु	स्त		मु		सं	स्था	न	
ग		म	र्दा	न	गी		त	म
ली	प	ना			त	न		
	ना	ना					ज	
मा	ह		रा		सा	ज	न	
न		स	ह	दे	व		म	द
व		म		व	न	ज		ल
ता	क	त	व	र		मी		द
	ल	ल	क		क	र	त	ल

आलिया भट्ट की फिल्म डोंट बी शाय का अमेजन प्राइम वीडियो पर 25 सितंबर को होगा प्रीमियर

अभिनेत्री आलिया भट्ट और उनकी बहन शाहीन भट्ट के निर्माण संस्थान एटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस' के बैनर तले बनी फिल्म डोंट बी शाय' की रिलीज तारीख तय हो गई है। श्रीति मुखर्जी द्वारा लिखित और निर्देशित यह फिल्म युवा दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई गई रोमांटिक हास्य-प्रधान फिल्म है। फिल्म में कई नए कलाकार नजर आएंगे।

फिल्म में आरुषि बजाज, अंश दुग्गल, बियांका अरोड़ा और पीयूष खाती प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इनके अलावा कुणाल रॉय कपूर, अनुराग बसु, नेहा धूपिया और अंजू अल्वा नाइक भी महत्वपूर्ण किरदार निभाते दिखाई देंगे।

डोंट बी शाय' युवावस्था में कदम रखने की प्रक्रिया पर आधारित रोमांटिक हास्य-प्रधान नाटक है। इसकी कहानी दोस्ती, युवा प्रेम, दिल टूटने और जिंदगी को समझने की कोशिश के इर्द-गिर्द बुनी गई है।

फिल्म में युवाओं के जीवन में आने वाले भावनात्मक उतार-चढ़ाव और रिश्तों की जटिलताओं को एक महिला के दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया है। कहानी में दोस्ती और प्रेम के साथ युवावस्था में सामने आने वाली चुनौतियों तथा आत्म-पहचान की प्रक्रिया को भी प्रमुखता दी गई है।

फिल्म का पहला पोस्टर जारी करते हुए निर्माताओं ने लिखा, प्यार, गहरी दोस्ती और इन सबके बीच का सारा नाटक। पोस्टर जारी होने के साथ ही फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है।

डोंट बी शाय' को सिनेमाघरों में रिलीज नहीं किया जाएगा। फिल्म का पहला प्रसारण डिजिटल मंच अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा। यह फिल्म 25 सितंबर 2026 से मंच के सदस्य दर्शकों के लिए उपलब्ध होगी।

आलिया और शाहीन भट्ट के निर्माण संस्थान की यह फिल्म युवा जीवन और रिश्तों को एक नए नजरिये से पेश करने का प्रयास करती है। नए कलाकारों के साथ अनुभवी कलाकारों की मौजूदगी फिल्म को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ा रही है।

भुवन बाम और रोहित सराफ की द रिवोल्यूशनरीज' का ट्रेलर जारी, ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ उठी आवाज

भुवन बाम और रोहित सराफ अभिनीत ऐतिहासिक धारावाहिक द रिवोल्यूशनरीज' का आधिकारिक ट्रेलर जारी कर दिया गया है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठभूमि पर आधारित इस ऐतिहासिक नाटक में प्रतिभा रांटा और गुरफतेह पीरजादा भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। ट्रेलर जारी होते ही धारावाहिक को लेकर दर्शकों के बीच चर्चा शुरू हो गई है।

निखिल आडवाणी के निर्देशन में बनी इस धारावाहिक का निर्माण एम्मे एंटरटेनमेंट ने किया है। इसकी कहानी प्रसिद्ध लेखक संजीव सान्याल की पुस्तक क्रांतिकारी- भारत की स्वतंत्रता की दूसरी कहानी' पर आधारित है।

ट्रेलर में स्वतंत्रता संग्राम के चार क्रांतिकारी किरदारों को केंद्र में रखा गया है। भुवन बाम ने रास बिहारी बोस, रोहित सराफ ने सचिंद्र नाथ सान्याल, प्रतिभा रांटा ने प्रतिभा लाहिड़ी और गुरफतेह पीरजादा ने बाघा जतिन की भूमिका निभाई है।

कहानी में चारों क्रांतिकारियों को ब्रिटिश शासन के खिलाफ एकजुट होकर विद्रोह की योजना बनाते और संघर्ष करते दिखाया गया है। ट्रेलर में उनके साहस, देशभक्ति और स्वतंत्रता हासिल करने के लिए किए गए प्रयासों की झलक देखने को मिलती है।

धारावाहिक में अभिनेता जेसन शाह ने ब्रिटिश अधिकारी जनरल डायर की भूमिका निभाई है। ट्रेलर में उनका किरदार चारों क्रांतिकारियों का पीछा करता और उनके विद्रोह को दबाने का प्रयास करता नजर आता है। इससे कहानी में संघर्ष और रोमांच का पक्ष भी उभरकर सामने आता है।

द रिवोल्यूशनरीज' का पहला प्रसारण 11 सितंबर 2026 को अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा। धारावाहिक को हिंदी और अंग्रेजी सहित कई भाषाओं में दुनिया के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में दर्शकों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

स्वतंत्रता संग्राम के उन पहलुओं और क्रांतिकारियों की कहानी को केंद्र में रखने के कारण यह धारावाहिक ऐतिहासिक घटनाओं को नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने का प्रयास करता है। भुवन बाम और रोहित सराफ जैसे लोकप्रिय कलाकारों की मौजूदगी से भी धारावाहिक को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ी है।

पर्दे पर एक बेहतरीन रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म करने के लिए बेहद उत्सुक हूं : तापसी पन्नू

अभिनेत्री तापसी पन्नू ने पिंक, हसीन दिलरुबा, अस्सी और थप्पड़ जैसी थ्रिलर व ड्रामा फिल्मों में एक से बढ़कर एक गंभीर भूमिकाएं निभाई हैं। पर्दे पर मुश्किल परिस्थितियों से जूझती महिलाओं के दमदार किरदार निभाने के बाद अब तापसी इन गंभीर किरदारों से ब्रेक लेना चाहती हैं। अपनी फिल्म गांधारी के प्रचार के बीच तापसी ने इच्छा जताई है कि वो अब पर्दे पर कुछ हल्का-फुल्का, मजेदार और एक बेहतरीन रोमांटिक-कॉमेडी काम करना चाहती हैं।

तापसी पन्नू ने कहा कि ऐसा नहीं है कि वो हल्की-फुल्की फिल्में नहीं करना चाहतीं।

वो तो बस निर्देशकों का इंतजार कर रही हैं कि वे उनकी पुरानी छवि से बाहर सोचें।

तापसी ने कहा, कृपया लोगों से कहिए कि मुझ पर थोड़ा रहम करें और कुछ हल्का-फुल्का ऑफर करें। मैं खुद भी पर्दे पर एक बेहतरीन रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म करने के लिए बेहद उत्सुक हूं।

तापसी का मानना है कि जब कोई कलाकार किसी खास जॉनर में सफल हो जाता है तो इंडस्ट्री उसे उसी सांचे में ढालने में ही सहज महसूस करने लगती है।

उन्होंने कहा, हमारी इंडस्ट्री में रचनात्मक सोच की थोड़ी कमी है। जब निर्माता देखते हैं कि कोई एक्टर किसी खास तरह के रोल या जॉनर में अच्छा कर रहा है तो वे एक ही ढर्रे पर चलते है और उसे बार-बार उसी तरह की दुनिया में कास्ट करते रहते हैं।

तापसी ने बताया कि उन्होंने टाइपकास्ट होने से बचने के लिए सोच-समझकर कदम उठाया है।

एक ही तरह के किरदारों से दूरी बनाने के लिए अभिनेत्री कई जांच-पड़ताल वाली और मारधाड़ वाली फिल्में ठुकरा दी।

तापसी के मुताबिक, नाम शबाना और बेबी के बाद से लेकर अब तक उन्हें अनगिनत एक्शन और क्राइम एक्शन थ्रिलर फिल्मों के प्रस्ताव मिले, लेकिन उन्होंने उन सभी को ठुकरा दिया ताकि वो बार-बार पर्दे पर एक जैसा काम न दोहराएं।

तापसी ने आगे कहा कि ऐसा लगता है जैसे इंडस्ट्री में रचनात्मक कंगाली आ गई है, जहां लोग किसी एक्टर को अलग रूपों में सोच ही नहीं पाते।

उन्होंने कहा, अगर आप किसी को एक अच्छा कलाकार मानते हैं तो उस पर भरोसा भी जताइए कि वो अपनी अभिनय क्षमता का विस्तार दिखा सके।

तापसी के अनुसार, निर्माताओं को कलाकारों को हर तरह के किरदारों में आजमाने की हिम्मत दिखानी चाहिए।

अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया को मिली दूसरी फिल्म!

अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया ने निर्देशक श्रीराम राघवन की फिल्म इक्कीस से डेब्यू किया था। साल के पहले ही दिन रिलीज हुई इस बायोपिक ड्रामा में उनके साथ अगस्त्य नंदा मुख्य किरदार में शामिल थे। अब खबर है कि सिमर को अपने करियर की दूसरी फिल्म मिल गई है, जो एक रोमांटिक कॉमेडी होगी। इसका निर्माण आयुष माहेश्वरी अपने बीएलएम पिक्चर्स बैनर के तहत करेंगे, जिसने पहले धक-धक और यारियां 2 जैसी फिल्मों का सह-निर्माण किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बिना नाम वाली इस रोमांटिक कॉमेडी में सिमर के साथ, मलयालम सिनेमा के अभिनेता रोशन मैथ्यू मुख्य किरदार में होंगे।

फिल्म के निर्देशन की कमान अधिराज बोस संभालेंगे, जिन्होंने एक थी डायन और तलवार जैसी फिल्मों में बतौर सहायक निर्देशक अपना योगदान दिया है। वह इस परियोजना से फीचर फिल्म निर्देशन में डेब्यू करेंगे।

परियोजना की शूटिंग इसी साल नवंबर में शुरू होगी। निर्माताओं का लक्ष्य इसे 2027 के मध्य में सिनेमाघरों में रिलीज करना है।

रिपोर्ट के अनुसार, सिमर और मैथ्यू की यह फिल्म एक दिल छू लेने वाली, चरित्र-प्रधान रोमांटिक ड्रामा बताई जा रही है, जिसमें भावनात्मक पहलुओं को कॉमेडी में पिरोकर बड़ी ही खूबसूरती के साथ पेश किया गया है।

निर्माता दोनों कलाकारों को एक नई रोमांटिक जोड़ी के रूप में पर्दे पर उतारना चाहते हैं। वह चाहते हैं कि फिल्म मजेदार होने के साथ-साथ एक मनोरंजक प्रेम कहानी भी हो।

अब देखना होगा कि फिल्म का आधिकारिक ऐलान कब तक होता है।

गांवों में खुलें ओपन जिम और पुस्तकालय

पिथौरागढ़(आरएनएस)। बास्ते की जिला पंचायत सदस्य भावना लोहिया ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के युवाओं के लिए गांव स्तर पर ओपन जिम और पुस्तकालय स्थापित करने की मांग रखी। जिला पंचायत सदस्य भावना ने कहा कि पहाड़ी व दूरस्थ क्षेत्रों में युवाओं को अध्ययन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी तथा स्वास्थ्य और फिटनेस के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। ऐसे में गांवों में पुस्तकालय और ओपन जिम की स्थापना युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के साथ उनके भविष्य को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।युवाओं में स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए गांवों में ओपन जिम स्थापित करने की मांग रखी कहा कि इससे युवाओं को नियमित व्यायाम के लिए सुविधाजनक और नि:शुल्क स्थान मिल सकेगा तथा वे अपने स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक होंगे। प्रदेश के युवाओं की ओर से युवा आयोग के गठन के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार भी व्यक्त किया। मुलाकात के दौरान देव लोहिया सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मीनाक्षी को मिलेगा स्पर्श गंगा शिक्षाश्री पुरस्कार

हल्द्वानी(आरएनएस)। भारतीय शहीद सैनिक स्कूल नैनीताल की शिक्षिका मीनाक्षी बिष्ट को स्पर्श गंगा शिक्षाश्री पुरस्कार से नवाजा जाएगा। 17 दिसंबर को स्पर्श गंगा दिवस के अवसर पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में उन्हें यह पुरस्कार दिया जाएगा। हिमालयन रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी की ओर से शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर वर्ष 2026 के 'स्पर्श गंगा शिक्षाश्री पुरस्कारों' की घोषणा की गई। पद्मश्री कल्याण सिंह रावत 'मैती' की अध्यक्षता में गठित चयन समिति ने पर्यावरण, गंगा व संस्कृति संरक्षण, रक्तदान और समाज कल्याण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 5 शिक्षकों को पुरस्कार के लिए चुना है। आदर्श प्राथमिक विद्यालय जाजर चिंगरी पिथौरागढ़ के प्रधानाचार्य चंद्रशेखर जोशी, दड्ड4ड्डठ्ठंद कन्या इंटर कॉलेज सुभाष नगर देहरादून की प्रधानाचार्य डॉ. अनिता नैथानी, शासकीय जूनियर हाईस्कूल, दुसातगांव चमोली के शिक्षका मनोज कुमार सती, राजकीय महाविद्यालय नरेंद्र नगर टिहरी गढ़वाल के शिक्षक डॉ. संजय सिंह महर का भी पुरस्कार के लिए चयन किया गया है।

चयन समिति में दर्जा राज्य मंत्री नवीन वर्मा, प्रो. प्रभाकर बडोनी, प्रो. एसडी तिवारी, डॉ. सर्वेश उनियाल, प्रो. सीएस जोशी और हर्डस के अध्यक्ष कमल के पांडे शामिल रहे। उल्लेखनीय सेवाओं के लिए रजत कुमार सिंह नैनीताल, अनु शर्मा हरिद्वार, हंसी जोशी उत्तरकाशी, डॉ. महेंद्र पाल सिंह रामनगर को 'स्पर्श गंगा शिक्षाश्री प्रशस्ति पत्र' दिया जाएगा। वहीं, पर्यावरण व गंगा संरक्षण में विशिष्ट योगदान के लिए डॉ. प्रजापति नौटियाल देहरादून और प्रो. एमएम सेमवाल श्रीनगर को 'स्पर्श गंगा शिक्षाश्री सम्मान' से नवाजा जाएगा।

सू- दोकू क्र.061

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.60 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

विवेक मंडुवा थ्रेशर से आसान होगी मड़ाई, तीन गांवों में किसानों को दिया प्रशिक्षण

अल्मोड़ा(आरएनएस)। पर्वतीय क्षेत्रों में खेती की लागत कम करने और फसलों की मड़ाई को अधिक सरल एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा की ओर से विकसित आधुनिक कृषि तकनीकों का किसानों के बीच प्रदर्शन किया गया।

अनुसूचित जाति उपयोजना तथा फसल कटाई उपरांत इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत खूंट, धामस और नौला गांवों में विशेष प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन शिविर आयोजित किए गए। संस्थान के निदेशक डॉ. लक्ष्मी कान्त के मार्गदर्शन में आयोजित इन कार्यक्रमों में कुल 67 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। इनमें खूंट गांव के 27, धामस के 21 और नौला के 19 किसान शामिल रहे। प्रतिभागियों में अनुसूचित जाति, बीपीएल श्रेणी के कृषकों के साथ बड़ी संख्या में महिला किसानों की भी भागीदारी रही।

प्रशिक्षण के दौरान संस्थान के तकनीशियन सुरेन्द्र सिंह ग्वाल ने किसानों को संस्थान द्वारा विकसित 'विवेक मंडुवा थ्रेशर-कम-पर्लर' की कार्यप्रणाली और इसके उपयोग की जानकारी दी। मशीन का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें किसानों ने विशेष रुचि दिखाई। विशेषज्ञों ने बताया कि इस मशीन से मंडुवे की मड़ाई कम समय और कम श्रम में की जा सकती है। इसकी कार्यक्षमता सामान्य परिस्थितियों में 40 से 60 किलोग्राम प्रति घंटा तथा अनुकूल परिस्थितियों में 60 से 80 किलोग्राम प्रति घंटा तक है। कार्यक्रम में किसानों को वीएल पैडल संचालित धान थ्रेशर की विशेषताओं और संचालन की भी जानकारी दी गई। प्रदर्शन के बाद किसानों ने इन तकनीकों को पर्वतीय क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप उपयोगी बताते हुए इन्हें खेती के लिए लाभकारी बताया।

संस्थान का उद्देश्य किसानों को आधुनिक, श्रम-बचत और लागत कम करने वाली कृषि तकनीकों से जोड़कर उनकी उत्पादकता बढ़ाना है। कार्यक्रम का समन्वयन फसल कटाई उपरांत इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक एवं संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार ने किया।

दमुवाढूंगा में सड़क पर जलभराव, धान रोपकर जताया विरोध

हल्द्वानी(आरएनएस)। जवाहर ज्योति दमुवाढूंगा में अधूरी और जर्जर सड़क के कारण हो रहे जलभराव से परेशान लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने सड़क पर जमा बारिश के पानी में धान की पौध रोपकर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पिछले करीब 20 दिनों से सड़क की स्थिति खराब है, लेकिन जिम्मेदार विभाग और ठेकेदार समस्या का समाधान नहीं कर रहे हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक सड़क का निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है। बारिश होने पर सड़क पर पानी जमा हो जाता है और निकासी की व्यवस्था न होने के कारण पानी घरों में घुस रहा है।कई लोगों को अपने घरों के गेट पर दीवार बनाकर बारिश के पानी को रोकना पड़ रहा है। इससे लोगों को रोजमर्रा के कामकाज में भी परेशानी उठानी पड़ रही है। लक्ष्मीकांत के नेतृत्व में क्षेत्र के लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में कांग्रेस नेता ललित भट्ट भी पहुंचे और लोगों की समस्या सुनी। लोगों ने कहा वार्ड-36 में कई स्थानों पर काम कराने के नाम पर सड़कों को खोदकर छोड़ दिया गया है।

प्रदर्शनकारियों में अरविंद कुमार गुप्ता, दीपा देवी, मीना देवी, हेमा देवी, पुष्पा देवी, गीता देवी, शिवांश शर्मा, जसूली देवी, राम सिंह, रमेश राम, गोपाल राम, अनुजदीप, गोपाल सिंह, दीपा बिष्ट आदि शामिल रहे।

पनुवानौला में 8 और 9 सितंबर को होगा न्याय पंचायत स्तरीय खेल महाकुंभ

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जिले की पनुवानौला न्याय पंचायत में खेल महाकुंभ-2026 के तहत न्याय पंचायत स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन 8 और 9 सितंबर को गांधी इंटर कॉलेज पनुवानौला के खेल मैदान में किया जाएगा। प्रतियोगिताओं में अंडर-14 एवं अंडर-19 आयु वर्ग के बालक और बालिका खिलाड़ी विभिन्न खेल स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की आयु की गणना 1 अप्रैल 2026 के आधार पर की जाएगी। प्रतिभागियों को अपने निर्धारित आयु वर्ग में ही पंजीकरण कर प्रतियोगिता में हिस्सा लेना होगा। सभी खिलाड़ियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। इसके लिए खिलाड़ियों से 222.द्मद्धद्गद्यह्वद्म.द्बठ्ठ पर समय रहते पंजीकरण कराने की अपील की गई है। अंडर-14 वर्ग में 60 मीटर और 600 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक तथा कबड्डी जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। वहीं अंडर-19 वर्ग में विभिन्न एथलेटिक्स स्पर्धाओं के अलावा खो-खो और मुर्गा झपट प्रतियोगिताएं भी कराई जाएंगी। खेल महाकुंभ का उद्देश्य ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर उन्हें उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं तक पहुंचने का अवसर उपलब्ध कराना है।

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर के विरोध में युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

हरिद्वार(आरएनएस)। राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर के विरोध में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर नारेबाजी की। मौके पर हल्द्वानी में मल्लिकार्जुन खरगे के अपमान का भी विरोध किया गया। कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार पर संविधान और लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन का आरोप लगाया। प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस नेताओं ने संविधान की प्रस्तावना पढ़कर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार संविधान की मूल भावना के विपरीत काम कर रही है और नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि सरकारी तंत्र और विभागों का इस्तेमाल मनमाने तरीके से किया जा रहा है।उन्होंने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को दुर्भावनापूर्ण बताते हुए इसे वापस लेने की मांग की। प्रदेश महासचिव उत्कर्ष वालिया ने कहा कि कांग्रेस संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए लगातार आवाज उठाती रहेगी।

सीएम मेधावी छात्रवृत्ति परीक्षा में जीआईसी खेती का शानदार प्रदर्शन, 13 छात्र सफल

अल्मोड़ा (आरएनएस)। राजकीय इंटर कॉलेज खेती के विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए धौलादेवी विकासखंड में विद्यालय को प्रथम स्थान दिलाया है।

विद्यालय के 13 विद्यार्थियों ने माध्यमिक स्तर की छात्रवृत्ति परीक्षा उत्तीर्ण कर यह उपलब्धि हासिल की है। प्रधानाचार्य राकेश कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति परीक्षा 7 जुलाई को आयोजित हुई थी, जबकि इसका परिणाम बुधवार को घोषित किया गया। इस परीक्षा के आधार पर विद्यार्थियों को मासिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। जूनियर वर्ग में कक्षा 6, 7 और 8 के विद्यार्थियों को क्रमश: 600, 700 और 800 रुपये प्रतिमाह, जबकि माध्यमिक वर्ग में कक्षा 9 के विद्यार्थियों को 900 रुपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति दी जाती है। उन्होंने बताया कि जीआईसी खेती के सभी 13 सफल विद्यार्थी माध्यमिक वर्ग से हैं। चयनित विद्यार्थियों में सार्थक उप्रेती, भाष्कर पांडे, हिमांशु, कमल पांडे, पार्थ उप्रेती, रबीना, मोहित उप्रेती, शिवानी जोशी, कमला आर्या, यामिनी उप्रेती, अंजलि जोशी, प्रियांशु पांडे और लीला शामिल हैं। उपखंड शिक्षाधिकारी दीक्षा बेलवाल तथा पीटीए अध्यक्ष गोकुल पांडेय ने सभी चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए विद्यालय के शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की।

प्रधानाचार्य राकेश कुमार ने कहा कि जीआईसी खेती के 13 विद्यार्थियों का सीएम मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति परीक्षा में सफल होना विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पित प्रयास और अभिभावकों की जागरूकता को देते हुए कहा कि इन्हीं के संयुक्त प्रयासों से विद्यालय पूरे विकासखंड में प्रथम स्थान हासिल करने में सफल रहा।

प्रकृति ने उत्तराखण्ड का दिल खोलकर किया है श्रृंगार

लोकेंद्र सिंह बिष्ट

उत्तरकाशी। हिमालय जैसा पर्वत और माँ गंगा जैसी नदी जो स्वयं भगवान श्री विष्णु जी, ब्रह्मा जी और महेश जी की कृपा से इस धरा पर भेजी गई हैं वो भी उत्तराखण्ड में। माँ गंगा जी, माँ यमुना मैया, माँ अलकनंदा जैसे सैंकड़ों सदानीरी नदियाँ, देवदार के खूबसूरत जंगल, मखमली बुग्याल, फूलों की विशाल घाटी, दिव्य जड़ी बूटियों और खनिजों से इसे भरपूर बनाया। साक्षात 33 करोड़ देवी देवताओं का निवास स्थान होने के चलते इसे दुनियां भर में देवभूमि से जाना जाता है। इसी देवभूमि को आज भू माफियाओं, खनन माफियाओं, शराब माफियाओं की बुरी नजर लग चुकी है। दूर से स्वर्ग से सुंदर दिखने वाली पहाड़ियां, खेत ,खलियान, नदी नालों गाड़ गदेरे के कोने कोने तक बिक चुके हैं और पहाड़ियों को भनक तक नहीं है। आप चारधाम यात्रा मार्गों के किनारों किनारों पर एक एक इंच भूमि आपके गंगोत्री यमुनोत्री केदारनाथ और बद्रीनाथ तक बिक चुकी हैं। आपके दयारा बुग्याल तक, और दूसरे पर्यटक स्थलों को जाने वाले दूसरे राष्ट्रीय/राज्य राजमार्ग और ग्राम सड़कों के साथ गाँव गाँव तकनीकी जमीन बिक चुकी है। खरीददार में देशभर के सभी वर्गों, समुदायों के लोग संलिप्त हैं। आज उत्तराखण्ड की यही सुंदरता, बेशकीमती खनिज संपदा, दुर्लभ बेशकीमती जड़ी बूटियाँ, वन उपज, और वन्य जीव, जंतु उसके दुश्मन बन चुके हैं। कभी कभी मेरे दिल में ख्याल आता है कि ये जमीं कभी हमारे पुरखों की थीं और आज इसी जमीं पर हम मात्र चौकीदार बनकर रह गए है और मालिक कोई और...!

नेपाल में आयी आपदा के चलते हरितालीका तीज उत्सव निरस्त

◆नेपाल को 51 हजार रुपये सहायता राशि भेजी

संवाददाता

देहरादून। महिला मंगल दल जोहडी की ओर से आयोजित होने वाले हरितालीका तीज उत्सव नेपाल में आयी आपदा के चलते निरस्त कर आपदा प्रभावितों के लिए 51 हजार रूपये की धनराशि भेजी गयी।

आज यहां जोहडी गांव महिला मंगल दी तीज कमेटी की अध्यक्ष गीता बिष्ट ने जानकारी देते हुए बताया कि महिला मंगल दी जोहडी के द्वारा 13 वर्षो से लगातार चले आ रहे हरितालीका तीज कार्यक्रम आयोजन किया जाता रहा है। इस बार नेपाल में आयी दैवीय आपदा एवं त्रासदी के परिपेक्ष में आपस में धन राशि एकत्रित कर 51 हजार रूपये गोर्खाली सुधार सभा के अध्यक्ष पदम सिंह थापा को सुपुर्द की गयी। उन्होंने कहा कि नेपाल व भारत के मध्य रोटी बेटी का रिश्ता है। हमारी तीज कमेटी की सहानुभूति नेपाल प्रभावित क्षेत्रों के लिए है। तीज कार्यक्रम अगले वर्ष करायेंगे। कल महिलायें तीत व्रत घर में करें साथ में नेपाल के जन कों लिए प्रार्थना करें।

गाँव-गाँव में शहीद, शहर में अटका..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

समय में पूरा हो जाता तो आज राजनीतिक सवाल शायद इतने तीखे नहीं होते। लेकिन लगातार टलती समयसीमा और चुनाव के नजदीक फिर बढ़ती सक्रियता ने टाइमिंग पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्ष के लिए यह कहना आसान है कि सरकार ने पांच साल तक परियोजना को लटकाए रखा और अब चुनाव से पहले इसे फिर चर्चा में लाया जा रहा है। सत्ता पक्ष के पास इसका जवाब विकास कार्य की प्रगति और सैनिक सम्मान की अपनी प्राथमिकता के रूप में है। लेकिन जनता के सामने तीसरा और ज्यादा महत्वपूर्ण सवाल है। क्या शहीदों के नाम पर बनी परियोजनाओं की सफलता का पैमाना चुनावी लोकार्पण होना चाहिए या समय पर पूरा होना?

सैन्य धाम को लेकर अब सिर्फ यह बताना पर्याप्त नहीं होगा कि निर्माण कितने प्रतिशत पूरा हुआ। जनता जानना चाहेगी कि मूल समयसीमा क्या थी, उसमें देरी क्यों हुई, लागत कितनी बढ़ी, जिम्मेदारी किसकी थी और अब वास्तविक लोकार्पण कब होगा। क्योंकि यह कोई सामान्य सरकारी भवन नहीं है। यह उन सैनिकों के नाम पर बन रहा है जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन दिया। इसलिए सवाल सरकार से नहीं, पूरे राजनीतिक तंत्र से है कि शहीदों के नाम पर घोषणाएं इतनी जल्दी क्यों होती हैं और काम पूरा करने में पांच साल क्यों लगते हैं? 2027 का चुनाव जैसे-जैसे करीब आएगा, सैन्य धाम की राजनीति भी तेज होगी। मंचों पर शहीदों का सम्मान होगा, राष्ट्रवाद के नारे होंगे और लोकार्पण की चर्चा होगी। लेकिन चुनावी शोर के बीच एक सवाल दबना नहीं चाहिए।

दो शातिर वाहन लुटेरे गिरफ्तार, लूटी गयी स्कूटी तथा घटना मे प्रयुक्त 2 तमन्चे व 2 कारतूस बरामद

हमारे संवाददाता

देहरादून। वाहन लूट की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से लूटी गयी स्कूटी व घटना में प्रयुक्त दो तमंचे कारतूस बरामद किये गये है। आरोपी नशे के आदी है जो पूर्व में भी लूट, चोरी की घटनाओं में जेल जा चुके है।

जानकारी के अनुसार रमनदीप सिंह पुत्र रणधीर सिंह निवासी ग्रेवाल ग्रीन व्यू ऋषिकेश रोड, डोईवाला, देहरादून द्वारा कोतवाली डोईवाला पर तहरीर देकर बताया गया था कि बीती 27 जुलाई को वह अपनी स्कूटी से डोईवाला की ओर आ रहा था, तो सीमेन्ट फेक्ट्री के करीब सौंग नदी डोईवाला के पास अज्ञात व्यक्तियो द्वारा उसे तमन्चा दिखाकर जान से मारने की धमकी देते हुए उनकी स्कूटी जबरन छीन लिया और मौके से फरार हो गए।

मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लुटेरों की तलाश शुरू कर दी गयी। पुलिस द्वारा घटनास्थल व उसके आसपास आने जाने वाले मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेजों का अवलोकन कर घटना में शामिल संदिग्धों के संबंध में जानकारियां एकत्रित की गई। पुलिस द्वारा लगातार किए जा रहे अथक प्रयासों व एक सूचना के बाद बीती रात पुरानी घमंडपुर रोड, जौलीग्रान्ट, डोईवाला से घटना में शामिल दो आरोपियों को लूटी गयी स्कूटी व घटना में प्रयुक्त दो तमंचों व कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में उन्होने अपना नाम `हर्षदीप सिंह पुत्र सिंदर सिंह निवासी दादूपुर, थाना पुरकाजी, जिला मुजफ्फरनगर व अंकित कुमार पुत्र संतरपाल निवासी ग्राम अब्दीपुर, थाना खानपुर, जिला हरिद्धार बताया। बताया कि वह नशे के आदी हैं तथा अपने नशे की पूर्ति के लिए उनके द्वारा उक्त वाहन लूट की घटना को अंजाम दिया गया था। घटना में शामिल उनके एक अन्य साथी को कुछ दिन पूर्व अवैध तमंचे के साथ हरिद्वार पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था। बहरहाल पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

केदारनाथ पैदल मार्ग पर पत्थर गिरने से महिला श्रद्धालु की मौत

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम की यात्रा के दौरान गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर दर्दनाक हादसा हो गया। चीरबासा हेलीपैड के पास पहाड़ी से अचानक पत्थर गिरने से महाराष्ट्र की 60 वर्षीय महिला श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गईं। जिन्हे रेस्क्यू टीम ने गौरीकुंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र रुद्रप्रयाग को रविवार, 6 सितंबर को घटना की सूचना मिली। जसपाल सिंह ने केंद्र को बताया कि चीरबासा हेलीपैड के पास पहाड़ी से पत्थर गिरने से एक महिला यात्री घायल हो गई हैं। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, डीडीआरएफ और पुलिस की रेस्क्यू टीमें मौके के लिए रवाना हुईं। टीमों ने घायल महिला को सुरक्षित रेस्क्यू किया। इसके बाद उन्हें तत्काल गौरीकुंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान मंगल अपाराव सिंधे (60 वर्ष) के रूप में हुई है। वह ग्राम नीमगांव, जिला सोलापुर, महाराष्ट्र की रहने वाली थीं। प्रशासन ने घटना की जानकारी उनके परिजनों को दे दी है। आवश्यक पंचनामा और अन्य वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार और जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने घटना की पुष्टि की है।

देवभूमि में शिवसेना का बड़ा संगठनात्मक विस्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। शिवसेना (शिंदे गुट) ने अपने संगठनात्मक विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए राजधानी देहरादून में कार्यकर्ता मिलन एवं संगठन विस्तार समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों, मंडलों एवं महानगर स्तर पर संगठन का विस्तार करते हुए वरिष्ठ एवं सक्रिय शिव सैनिकों को अहम पदों पर नियुक्त कर संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

कार्यक्रम में प्रदेशभर से पहुंचे कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। शिवसेना की विचारधारा से प्रभावित होकर सैकड़ों युवाओं, बुजुर्गों, मातृशक्ति, पूर्व सैनिकों, अधिवक्ताओं एवं विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने शिवसेना का दामन थामा। इस दौरान बड़ी संख्या में नए कार्यकर्ताओं ने संगठन के साथ जुड़कर उत्तराखंड में शिवसेना को मजबूत करने का संकल्प लिया। संगठन विस्तार के तहत वरिष्ठ एवं सक्रिय शिव सैनिकों को प्रदेश, मंडल एवं जिला स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गईं। जिसमें मनोज सरीन को वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष, संजीव मैठाणी को प्रदेश प्रवक्ता, सुमित चौधरी एवं दीपक चौहान को प्रदेश महासचिव, अरुण कश्यप को कुमाऊं मंडल अध्यक्ष, मुनिश चौहान को गढ़वाल मंडल अध्यक्ष, मंजीत भट्ट को जिला महानगर देहरादून अध्यक्ष, आयुष पासवान को जिला देहरादून सचिव शिवम को प्रदेश प्रचारक व सुरेश टम्टा को प्रदेश संगठन मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। इसके अतिरिक्त इंद्रेश गुप्ता, अज्जू भाई, सजीव कपूर, रोशन गर्ग , रोहित सेनी, हरि यादव, महावीर सिंह, संजय कुकरेती, रमेश चंद एवं जितेंद्र कुमार को प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं अरुण गोदियाल, जयदीप यादव, गौरव ठाकुर, रोहित सेनी, विकास राजपूत, रवि दिवाकर, राधे चौहान, अनिल रघुवंशी, विनय भट्ट, समीर राणा, प्रेम सिंह बडोला, विनोद कुमार, दीपक प्रसाद, अनुज प्रजापति एवं किशन कुमार को प्रदेश सह सचिव नियुक्त किया गया है।

महिला लेखपाल सस्पेंड

हमारे संवाददाता

बांदा। भारी बारिश ने जहां घर उजाड़े, गृहस्थी का सामान डुबो दिया और परिवारों के सामने दो वक्त की रोटी का संकट खड़ा कर दिया। ऐसे मुश्किल वक्त में ग्रामीणों को उम्मीद थी कि सरकारी टीम उनके नुकसान का सर्वे करेगी और नियम के मुताबिक मुआवजा दिलाएगी। लेकिन उत्तर प्रदेश के बांदा में इसी सर्वे के दौरान ऐसा मामला सामने आया, जिसने प्रशासन को भी कार्रवाई के लिए मजबूर कर दिया। अतर्रा तहसील के बल्लान गांव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में ग्रामीण एक लेखपाल से कथित तौर पर लिए गए पैसे वापस करने की बात कहते नजर आ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि उनसे कहा गया कि जो पैसा देगा, उसकी सही रिपोर्ट लगाई जाएगी और तभी उसे सरकारी मदद का लाभ मिल सकेगा। मामला अधिकारियों तक पहुंचा तो प्रशासन ने इसे गंभीरता से लिया। जांच कराई गई और अतर्रा तहसील में तैनात लेखपाल संध्या सिंह को निर्लंबित कर दिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, मामले की विभागीय जांच भी जारी है। सबसे खास बात यह रही कि मौके पर ग्रामीणों के विरोध के बाद कथित तौर पर लिया गया पैसा वापस कर दिया गया।

दरअसल, पिछले दिनों हुई भारी बारिश

◆बाढ़ पीड़ितों से ली रिश्वत, वीडियो वायरल

के चलते बांदा के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी। बल्लान गांव में भी कई घरों के गिरने और घरों में पानी भरने से ग्रामीणों को नुकसान हुआ। किसी की गृहस्थी का सामान पानी में डूब गया तो किसी के घर को नुकसान पहुंचा. ऐसे लोगों को सरकारी सहायता उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन की ओर से सर्वे कराया जा रहा है। डीएम के निर्देश पर लेखपालों को गांवों में जाकर नुकसान का आकलन करने और रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई थी। इसी रिपोर्ट के आधार पर पात्र लोगों को सरकारी सहायता और मुआवजा मिलना था। यही वह प्रक्रिया थी, जिसमें कथित वसूली का मामला सामने आया। वायरल वीडियो और ग्रामीणों के मुताबिक, लेखपाल संध्या सिंह अपने मुंशी के साथ बल्लान गांव पहुंची थीं। ग्रामीणों का आरोप है कि सर्वे और रिपोर्ट तैयार करने के दौरान उनसे पैसे की मांग की गई। कथित तौर पर कहा गया कि जो पैसा देगा, उसकी सही रिपोर्ट लगाई जाएगी और उसे सरकारी लाभ मिल सकेगा। शुरुआत में कुछ ग्रामीणों ने कथित तौर पर पैसे भी दे दिए। लेकिन इसके बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा. ग्रामीणों ने सवाल उठाना शुरू कर दिया कि जिन लोगों के घर बारिश में बर्बाद हो गए। उनसे ही सरकारी मदद की रिपोर्ट के लिए पैसे क्यों लिए जा रहे हैं. इसी दौरान किसी ग्रामीण ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया. वीडियो में ग्रामीण पैसे वापस करने और वहां से चले जाने की बात कहते सुनाई दे रहे हैं। विरोध बढ़ने के बाद कथित तौर पर लिए गए पैसे वापस किए गए और लेखपाल वहां से चली गई।घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से कार्रवाई की मांग की. वीडियो सामने आने के बाद अधिकारियों ने भी मामले को संज्ञान में लिया। प्रशासन ने तहसीलदार के स्तर से जांच कराई. जांच के दौरान लेखपाल संध्या सिंह का नाम सामने आने के बाद उन्हें तत्काल निर्लंबित कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने हिमालय दिवस पर आयोजित होने वाले 5 कार्यक्रमों के पोस्टरों का किया विमोचन

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय में आयोजित हिमालय दिवस के अवसर पर राज्य भर में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी लोकप्रियकरण के लिए आयोजित होने वाले 5 कार्यक्रमों के पोस्टरों का विमोचन किया।

यूकॉस्ट, हेस्को तथा यूटीयू द्वारा आयोजित हिमालयन दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी ने जिन कार्यक्रमों के पोस्टरों का विमोचन किया उनमें 7वें देहरादून इंटरनेशनल साइंस एंड टेक्नोलॉजी फेस्टिवल, साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रीमियर लीग, सीमांत बाल विज्ञान कांग्रेस, ज्ञानोत्कर्ष तथा 21वीं उत्तराखंड राज्य साइंस कॉन्फ्रेंस प्रमुख है। इस अवसर पर उन्होंने विज्ञान लोकप्रियकरण पत्रिका षविज्ञान संप्रेषणष के 5वें वार्षिकांक का भी विमोचन किया।

इस अवसर पर विधायक किशोर उपाध्याय, पद्मभूषण से सम्मानित विख्यात पर्यावरणविद् डॉ अनिल जोशी, उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ तृप्ता ठाकुर, यूकॉस्ट के महानिदेशक डॉ दुर्गेश पंत, यूटीयू के कुलसचिव डॉ राजेश उपाध्याय, यूकॉस्ट के संयुक्त निदेशक डॉ डीपी उनियाल, डीआइएसटीएफ के आयोजन सचिव डॉ कुँवर राज अस्थाना सहित बड़ी संख्या में वैज्ञानिक, अध्यापक, छात्र एवं महिलाएं उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन प्रहलाद ठाकुर ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ राजेश उपाध्याय ने दिया।

सार्वजनिक स्थान पर हुड़दंग करने वाले 7 युवक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। सार्वजनिक स्थान पर हुड़दंग करने वाले 7 युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार सभी युवक निजी शिक्षण संस्थान के छात्र हैं। जिनके निष्कासन हेतु संबंधित शिक्षण संस्थान को रिपोर्ट भेजी गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती रात कोतवाली प्रेमनगर पुलिस को सूचना मिली कि बिधौली क्षेत्र में दो पक्षों के बीच विवाद हो गया है, जिस पर दोनों पक्ष एक दूसरे से लड़ाई झगड़ा करते हुए सार्वजनिक स्थान पर हुड़दंग मचा रहे हैं। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा, मौके पर दोनों पक्ष उग्र होकर एक दूसरे के साथ मारपीट कर रहे थे , जिससे रास्ते से आने जाने वाले लोगों के चोटिल होने की संभावना बन रही थी। मौके पर शांति व्यवस्था भंग होने की संभावना के दृष्टिगत पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए दोनों पक्षों के 7 लोगों कों गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार सभी युवक प्रेमनगर स्थित एक निजी शिक्षण संस्थान के छात्र है, जिनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई कर उनके निष्कासन हेतु पुलिस द्वारा संबंधित शिक्षण संस्थान को रिपोर्ट प्रेषित की गई है। गिरफ्तार युवको के नाम आर्यन पाटनी पुत्र नवीन कुमार पाटनी निवासी कण्डोली प्रेमनगर, देहरादून, अभय कोहली पुत्र प्रवीन कुमार, नैथन पुत्र हनरी बरेटो, कृष उपाध्याय पुत्र दीपक कुमार, युग नागर पुत्र अजय नागर, अर्पित तोमर पुत्र राजीव कुमार व कवि अत्री पुत्र अमरीश कुमार निवासी कण्डोली, प्रेमनगर, देहरादून बताये जा रहे है।

गैंगवार होने से पहले ही बदमाश गिरफ्तार !

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी में गैंगवार के उद्देश्य से आये एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से 2 पिस्टल, मैगजीन व 10 कारतूस बरामद किये गये है। आरोपी अपने भाई की हत्या का बदला लेने हरिद्वार आया था।

जानकारी के अनुसार बीती रात कोतवाली नगर पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान जब पुलिस चित्रकूट घाट के पास पहुंची तो उसे वहां एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास रखे बैग से 32 बोर की दो पिस्टल, दो मैगजीन और 10 जिंदा कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में उसने अपना

◆दो पिस्टल, दो मैगजीन व 10 कारतूस बरामद
◆भाई की हत्या का बदला लेने के लिए हरिद्वार आया था आरोपी

नाम मनोज कुमार पुत्र महावीर सिंह, निवासी ग्राम बुडीना कला, थाना तितावी, जिला मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश बताया। बताया कि वर्ष 2010 में उसके भाई की हत्या कर दी गई थी और तभी से वह भाई के हत्यारों को ठिकाने लगाने के लिए मौके की तलाश में था। गैंगवार की आशंका के चलते आरोपी अप्रैल 2026 में हरिद्वार आया और एक आश्रम को लीज पर लेकर होटल के रूप में व्यापार कर रहा था। इसी दौरान उसे जानकारी मिली कि उसके भाई के हत्यारे इस समय जेल से बाहर हैं और हरिद्वार आने वाले हैं। जिसके चलते उसने यह पूरी तैयारी रखी थी।

पुलिस की सतर्कता और समय रहते की गई कार्रवाई से संभावित गैंगवार की बड़ी वारदात टल गई। बरामदगी के आधार पर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर कोतवाली नगर लाया और उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

युवाओं पर भरोसा, तरीका न थोपें: भागवत

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने युवा पीढ़ी पर भरोसा जताते हुए कहा है कि आने वाली पीढ़ियां दुनिया को बेहतर बनाने की इच्छा रखती हैं और इस उद्देश्य के लिए अपने छोटे-छोटे मतभेदों को पीछे छोड़ने को तैयार हैं। उन्होंने युवाओं को पुरानी पीढ़ी की तुलना में अधिक ईमानदार बताते हुए कहा कि उनमें सही बात को पहचानकर उस पर काम करने का साहस अधिक है।

लंदन में रविवार को सेलिब्रेशन आफ वननेस विषय पर आयोजित कम्युनिटी लीडर्स रिसेप्शन और सिविलाइजेशनल डायलॉग में भागवत ने कहा कि पुरानी पीढ़ियां अपने जीवन के अनुभवों और उनसे

◆लंदन में सेलिब्रेशन आफ वननेस कार्यक्रम में बोले संघ प्रमुख
◆युवाओं को लक्ष्य बताएं, तरीका तय करने की स्वतंत्रता दें
◆मतभेद छोड़ दुनिया बेहतर बनाने को तैयार है देश के युवा

पैदा हुई आशंकाओं से अधिक प्रभावित रहती हैं। इसके कारण वह किसी कदम के संभावित परिणामों को लेकर ज्यादा सतर्क रहती हैं। इसके विपरीत युवा पीढ़ी इन आशंकाओं से कम बंधी होती है और जब उसे कोई बात सही लगती है तो उस पर आगे बढ़ने के लिए ज्यादा तैयार रहती है।

भागवत ने कहा कि बुजुर्ग पीढ़ी को युवाओं के सामने लक्ष्य स्पष्ट करना चाहिए, लेकिन उस लक्ष्य तक पहुंचने का तरीका उन पर नहीं थोपना चाहिए। युवाओं को आवश्यक जानकारी और मार्गदर्शन देकर उन्हें अपना रास्ता तलाशने की स्वतंत्रता दी जानी चाहिए। उनका मानना है कि इस तरह युवा पीढ़ी अपने उद्देश्य को अधिक तेजी और प्रभावी ढंग से हासिल कर सकती है।

संघ प्रमुख ने अपने संबोधन में समाज और दुनिया में एकता के लिए उन बातों पर जोर देने की आवश्यकता बताई जो लोगों को जोड़ती हैं। उन्होंने विविधता को स्वीकार करने और उसका सम्मान करने की बात भी कही। सेलिब्रेशन आफ वननेस कार्यक्रम में उन्होंने भारतीय चिंतन की उस परंपरा का उल्लेख किया जिसमें अलग-अलग विचारों और रास्तों के बावजूद एकता की भावना को महत्व दिया जाता है। लंदन में आयोजित कार्यक्रम हिंदू स्वयंसेवक संघ यूके की पहल और इंटीग्रल के सहयोग से हुआ। संघ के अनुसार, इसमें ब्रिटेन की 31० से अधिक सामुदायिक संस्थाओं और संगठनों के शामिल होने की अपेक्षा थी। भागवत के ब्रिटेन दौरे के दौरान उन्होंने धार्मिक नेताओं, शिक्षाविदों और भारतीय मूल के समुदाय से जुड़े लोगों से भी संवाद किया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।